**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक:15.12.2023**

**उधम सिंह नगर(उत्तराखंड ) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-12-15 ( अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसमकारक | 16/12/2023 | 17/12/2023 | 18/12/2023 | 19/12/2023 | 20/12/2023 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मीमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 23.0 | 23.0 | 23.0 | 23.0 | 23.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 4.0 | 5.0 | 4.0 | 4.0 | 4.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 75 | 75 | 70 | 70 | 70 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 35 | 30 | 30 | 30 | 30 |
| हवा की गति (किमीप्रतिघंटा) | 6 | 6 | 8 | 9 | 6 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 320 | 320 | 320 | 320 | 320 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 5 | 1 | 1 | 1 | 2 |

**सम सारांश / चेतावनी:**

पिछले सात दिनों (08 से 14 दिसंबर) में 0 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जिसमें अधिकतम और न्यूनतम तापमान 21.5 से 26.5 डिग्री सेल्सियस और 4.5 से 9.1 डिग्री सेल्सियस के बीच था, पिछले सप्ताह के दौरान अधिकांश दिनों में मौसम साफ रहा। सुबह 0712 बजे की सापेक्ष आर्द्रता 91 से 94% के बीच और शाम की सापेक्ष आर्द्रता 1412 बजे 35 से 56% के बीच रही। हवा की गति 1.2 से 2.7 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा उत्तर-उत्तर-पूर्व थी। आने वाले 5 दिनों के पूर्वानुमान से पता चलता है कि बारिश नहीं होगी। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 23.0 डिग्री सेल्सियस और 4.0-5.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 6-9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाएं ज्यादातर उत्तर-पश्चिम-उत्तर दिशा से चलेंगी। इस क्षेत्र में शुष्क मौसम रहने की संभावना है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 15-21 दिसंबर के बीच वर्षा नहीं होने का संकेत देती है और वर्षा में बड़ी कमी, अधिकतम तापमान में सामान्य रुझान और न्यूनतम तापमान में

**सामान्य सलाहकार:**

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत" पर अपडेट की जाती है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोग कर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोग कर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। मिग कीट , फ्रूट फ्लाई, गुजिया वीविल और वेबर कीट को नष्ट करने के लिए बागों की गहरी जुताई जरूरी है। दलहनी फसलों की नियमित रूप से गुड़ाई और निराई की जानी चाहिए।

**लघु संदेश सलाहकार:**

| |
|---|
| इस क्षेत्र में शुष्क और ठंडे मौसम का अनुभव होने की उम्मीद है, इसलिए कृषि गतिविधियों का तदनुसार पालन किया जाना चाहिए। |

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | अवस्था | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|---|
| चना/मसूर | अंकुरण/ वानस्पतिक/ फूल आना | फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उचित अंतराल पर गुड़ाई और निराई का कार्य किया जाना चाहिए। |
| राइ एवं तोरिया (लाही) / पीली सरसों | वानस्पतिक/ फूल आना/ फली बनना | फूल आने और फली बनने की अवस्था में देर से बोई गई फसल में सिंचाई करनी चाहिए। रोग/कीट होने की स्थिति में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। |
| गेहू | अंकुरण /वानस्पतिक | 3-4 दिनों के बाद समय पर बोई गई फसल में टॉप ड्रेसिंग दोपहर के दौरान की जानी चाहिए। नियमित रूप से गुड़ाई और निराई 25-30 दिन और 45-50 दिनों के अंतराल पर की जानी चाहिए। गेहूं की देर से बुआई 25 दिसंबर तक पूरी कर लेनी चाहिए। देर से बोया गया गेहूं तापमान में अचानक गिरावट से प्रभावित होता है, इसलिए इसके बाद बीज की दर में 25% की वृद्धि की जानी चाहिए। |
| जौ | वानस्पतिक | समय पर बोई गई फसल की सिंचाई 20-25 दिन के अंतराल पर करनी चाहिए, इसके बाद यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। |
| गन्ना | वानस्पतिक | शरद ऋतु के गन्ने की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए। गुड़ाई और निराई का कार्य भी किया जाना चाहिए। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| बागवानी | अवस्था | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|---|
| फूलगोभी | वानस्पतिक | फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कोल फसलों में पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 75 डब्लूपी का 2-3 बार प्रयोग करना चाहिए। रोग को नियंत्रित करने के लिए गर्म पानी से बीजोपचार करना चाहिए। |
| टमाटर/मिर्च | वनस्पति/फूल/फल बनना | टमाटर की ऊपरी पत्तियों के सिकुड़ने या चित्तकबरा होने पर संक्रमित पौधों को हटाकर नष्ट कर देना चाहिए। फसल में रोग फैलाने वाले कीड़ों की जाँच की जानी चाहिए और तदनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|

| | |
|---|---|
| भैंस/ गाय | जाड़े के दिनों में पशुओं को अतरिक्त ऊर्जा प्रदान करने वाले खाद्य पदार्थों की 25 % मात्रा बढ़ाकर देनी चाहिए। बंधे हुए पशुओ को व्यायाम कराये तथा सूर्य की रौशनी आने पर उन्हें पशुशाला के बहार निकलकर धुप में बांधे। |
| भेड़/बकरी | जानवरों को पाला सूख जाने पर ही घास चराने के लिए ले जाना चाहिए वरना पाले युक्त खाद्य पदार्थों से उन्हें इंटेरोटॉक्सिमिया होने का खतरा रहता है। जानवरों को बाड़े में समय पर ले आना चाहिए ताकि ठण्ड से बचाव हो सके। |